Title : Need to rehabilitate the land oustees in Kanpur, Uttar Pradesh due to widening of roads and environmental pollution.

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : माननीय सभापति जी, आज आपने मुझे महत्वपूर्ण बिंदु को उठाने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद करता हूं। आज पूरे देश में सड़क चौड़ी करने के नाम पर, शहरों को प्रदूाण से मुक्त करने के नाम पर, अतिक्रमण हटाने के नाम पर, गरीबों, मजलूमों की बेहतरी करने वाली, नारे लगाने वाली सरकार ने पूरी तरह से उन्हें खुले आसमान में मरने के लिए छोड़ दिया है। आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश के तमाम महानगरों में, खास तौर पर कानपुर महानगर मे ऐसी बस्तियों को, जो न अतिक्रमण के अंतर्गत आती थी, न पार्कों में पर्यावरण सुधार में आती थीं, उत्तर प्रदेश की साजिश के तहत, सरकार की साजिश के तहत कानुपर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से मिलीभगत करके ऐसे गरीब, कमजोर लोगों की बस्तियों को, जो लगभग आजादी से पहले बसी हुई थीं, उनको बिना नोटिस दिए, बिना कोई वैकल्पिक व्यवस्था किए, बुल्डोजर चला करके ऐसी बस्तियां, जो मलिन बस्तियां घोाित की गई थीं, जिनको सरकार ने मलिन बस्तियों के अन्तर्गत लिया था, जहां विधायक द्वारा, सांसद द्वारा, नगर निगम द्वारा सड़कें, बिजली, सुलभ काम्पलेक्स तक बना दिए गए थे, ऐसी बस्तियों को ध्वस्त करके आज उत्तर प्रदेश सरकार बड़े-बड़े भू-माफियाओं को फ्लैट आबंटित कर रही है। गरीब, मजलूमों को केवल खुले आसमान में मरने के लिए नहीं छोड़ दिया है â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : You have to only mention about it and not give a speech.

श्री राजाराम पाल :बल्कि आजादी से अब तक जो अपने घरों में रह रहे थे, जिनका वोटर लिस्ट में नाम था, उन समूचे हजारों परिवारों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश कानुपर में चलाई जा रही है। कानपुर में नवीन नगर काकादेव, एम ब्लॉक काकादेव, अम्बेडकर नगर, कच्ची बस्ती जो सैकड़ों वाीं से बसी थी, जिनमें ज्यादा से ज्यादा दलित, मजदूर और किसान लोग रह रहे थे, उन्हें आज बड़े पैमाने पर उजाड़ने का काम किया गया है।

MR. CHAIRMAN: Hon. Member, we cannot sit here indefinitely. You please conclude.

श्री राजाराम पाल : मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के माननीय प्रधानमंत्री जी से चाहता हूं कि मिनिमम कॉमन प्रोग्राम, जो गरीबों की बेहतरी करने का प्रोग्राम था, उसके तहत हस्तक्षेप करके ऐसी जो उजाड़ी गई बस्तियां हैं, उनको बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए न उजाड़ा जाए, ऐसी व्यवस्था करने का काम करें। यह भारत है, भरत से भारत बना है, भरत का मतलब है भरण-पोाण करने वाला देश और भरण-पोाण करने वाला देश आज रोटी और रोजगार देना तो दूर, उनको उजाड़कर आज खुले आसमान में मरने के लिए छोड़ दिया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि वे हस्तक्षेप करके ऐसी बस्तियों को उजाड़ने से रोंके और जो उजाड़े गए लोग हैं, उनको वैकल्पिक व्यवस्था देने का काम करें।